ई-संस्करण, अंक 20

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

हेलो दोस्तों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। आपको इ गपशप कैसी लगी? मजा आ रहा है ना! हमे आशा है आप इनका आनंद अपने परिवार के साथ मिलकर ले रहे है। इन्हें पढ़ कर अपने विचार, प्रतिक्रिया और भावनाए हमसे जरुर साँझा करे। और हा इनको अपने दोस्तों और परिवार से साँझा करना ना भूले, जिससे आपके साथ साथ वह भी इन्हें पढ़ सके।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

दो पहियों की मेरी साइकिल

आप सब को साइकिल चलना तो आता ही होगा, अगर नहीं तो आप सीख सकती हैं। हमारे रोज़मर्रा के कामों में साईकिल की बहुत ज़रुरत होती है। तो आइये जानते है की साइकिल का अविष्कार किसने किया और किस किस रूप में इसका विकास हुआ।

आज से दो सौ साल पहले सन् 1817 में कार्ल ड्रैस ने साइकिल का आविष्कार किया। उस समय दो पहियों को एक लोहे के आधार से जोड़ कर इसका मूल रूप बनाया गया जिसे Dandy Horse का नाम दिया गया। सबसे रोचक बात यह है कि ड्राइस ने जमीन पर नहीं बल्कि रेल के पटरी पर रफ्तार से चलने के लिए यह बनाई गयी थी जिसे लोग धक्का देते थे।

सन् 1839 में सोकोटिश के रहने वाले किर्कपत्रिक मैकमिल्लन वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने साइकिल में पेडल लगाने की बात सोची। 1866 में साइकिल में एक और बदलाव किया गया। इस बदलाव में साइकिल को अधिक गतिमान बनाने के लिए इसके आगे वाले पहिये को अधिक बड़ा कर दिया गया। इसका आकार कुछ ऐसा था जिसमे चालक बैठ भी नहीं सकता था। आप यह जान के हैरान हो जायेंगे की इस साइकिल का आगे का पहिया 5 फुट का था। यह बदलाव इतना सफल नहीं हुआ क्योंकि इस साइकिल को चलाने में चालक को बहुत कठिनाई का अनुभव होता था। चलाने से ज्यादा इस साइकिल को रोकने में ज्यादा तकलीफ होती थी क्योंकि उस समय साइकिल में ब्रेक नहीं होते थे। उस समय लोगों को साइकिल चलाते समय गंभीर चोटें भी आ जाती थी जो की एक आम सी बात हो गयी थी।

1895 में जॉन केम्प स्टारले द्वारा निर्मित साइकिल में इन सभी बातों का ख्याल रखा गया था और यह बिलकुल अलग डिजाइन था जो लोगों ने पहले नहीं देखा था। लोगों को जिस प्रकार असुविधा होती गयी उसी प्रकार प्रयोग में भी सुधार होता चला गया। और हम सब को मिला एक ऐसा वाहन जो बिना ईंधन के चलता है। बस बैठो और फुर्र से जहाँ जाना है चल पड़ो।

1818– ड्रैसिने कार्ल वो ड्रैस
जर्मनी

1830 – दो पहिया वेलोकोपदे
थॉमस मक कॉल
स्कॉटलैंड

1870 – ऊँचा पहिया साइकिल
जेम्स स्टारले
फ्रांस

1885 – सेफ्टी साइकिल
जॉन केम्प स्टारले
इंग्लैंड

इन्हें भी जानें

भानु अथैया

11 अप्रैल 1983 के दिन भारत को पहला ऑस्कर अवॉर्ड मिला। यह अवॉर्ड दिलाने वाली महिला थीं कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर भानु अथैया। उन्होंने फिल्म गांधी के लिए बेस्ट कॉस्टयूम डिज़ाइन का अवॉर्ड जीता था। उन्होंने अपने ब्रिटिश पार्टनर जॉन मोलो के साथ अपनी जीत को साझा किया। भानु अथैया का जन्म 28 अप्रैल 1929 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुआ था। भानू ने साल 1956 में फिल्म सीआइडी से अपने करियर की शुरुआत की थी। भानू ऑस्कर सम्मान से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय नागरिक थीं। उन्होंने कई सारी बॉलीवुड फिल्मों में कॉस्ट्यूम डिज़ाइनिंग का काम किया है।

यह तो आप सब मानते ही होंगे कि साइंस और टेक्नोलॉजी हमारी हर रोज़ की दिनचर्या में इस्तेमाल होती है। विज्ञान की एक खोज के बारे में लिखें जिसे आप सबसे अधिक मानते हैं और क्यों? या बताइये कि यदि आप एक वैज्ञानिक होते, तो आप किस पर शोध करते?